

Date: 16/10/25

Tip 1: - समाजशास्त्र की प्रकृति: "समाजशास्त्र एक विज्ञान है।"

समाजशास्त्र सामाजिक विज्ञानों में एक प्रमुख शाखा है, जो मानव-समाज, सामाजिक संबंधों, सामाजिक संस्थाओं तथा सामाजिक प्रक्रियाओं का वैज्ञानिक अध्ययन करता है। समाजशास्त्र के स्वरूप को समझने के लिए हमें यह जानना आवश्यक है कि यह किस प्रकार एक विज्ञान के रूप में कार्य करता है और उसके अध्ययन की क्या प्रकृति है।

समाजशास्त्र को एक विज्ञान माना जाता है क्योंकि इसमें वैज्ञानिक पद्धतियों का प्राकृतिक विज्ञानों की ही भांति प्रयोग किया जाता है। एक समाजशास्त्री सामाजिक तथ्यों का अवलोकन, वर्गीकरण, व्याख्या और कार्य-करण संबंधों की स्थापना अपने अध्ययन में करते हैं।

→ 1. वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग :- समाजशास्त्र में तथ्यों को जानने समझने के लिए विभिन्न वैज्ञानिक पद्धतियों का उपयोग किया जाता है।

- (a) सांख्यिकीय पद्धति (Statistical Method)
- (b) सामाजिक अवलोकन (Social observation)
- (c) सामाजिक सर्वेक्षण (Social survey Method)
- (d) केस स्टडी (Case study Method)

इन विधियों द्वारा तथ्यों का वैज्ञानिक रूप से संग्रहण और विश्लेषण किया जाता है।

→ 2. तथ्यों का संग्रहण और अवलोकन :-

समाजशास्त्र में सामाजिक दृष्टांतों और उनसे जुड़े तथ्यों का सावधानीपूर्वक अवलोकन किया जाता है तथा इन तथ्यों को बिना किसी पक्षपात के और पूर्वाग्रह के रिकॉर्ड किया जाता है।

→ 3. तथ्यों का विश्लेषण और वर्गीकरण :- वैज्ञानिक ढंग से तथ्यों का वर्गीकरण और विश्लेषण उस तरह से किया जाता है, जिससे सामाजिक जीवन के विभिन्न पहलुओं को व्यवस्थित ढंग से समझा जा सके। इससे सामाजिक सिद्धांतों का निर्माण संभव हो पाता है।

→ 4. कार्य-करण संबंधों की स्थापना :- समाजशास्त्र केवल का अध्ययन ही नहीं करना बल्कि उनके बीच के